वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-241 सागवाड़ा, सोमवार, 16 मई, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

बेणेश्वरधाम पर राहुल की सभा डूंगरपुर कांग्रेस के लिये बनेगी संजीवनी?

राहुल गांधी के भाषण में आदिवासियों के प्रमुख मुद्दे जल, जंगल और जमीन पर जोर रहां

डूंगरपुर। बेणेश्वर धाम पर कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी की चुनावी सभा से कांग्रेस के नेता उत्साहित है लेकिन डूंगरपुर कांग्रेस के लिये यह सभा कितनी कारगर साबित होगी यह तो वक्त ही बताएंगे। इधर, राहुल गांधी के भाषण में आदिवासी केंद्र बंदू में थे। राहुल ने अपने भाषण की शुरूआत आदिवासी भाइयों और बहनों प्रेस के हमारे मित्रों आप सब का आज यहां बहुत बहुत स्वागत बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं। आज सुबह मैंने बेणेश्वर धाम में दर्शन किया और मुझे बहुत खुशी हो रही है कि यहां हम इस पुल का शिलान्यास कर रहे हैं। हर साल लाखों आदिवासी भाई और बहन यहां दर्शन करने आते हैं और मुझे बताया गया है कि बारिश के समय उनको बहुत कष्ट होता है मुश्किल होती है। इसीलिए हम इस पुल का शिलान्यास कर रहे हैं। तो मैं आपको सबको बधाई देना चाहता हूं और यह भी बताना चाहता हूं कि आने वाले समय में जब आप का मेला होगा तो मैं भी यहां आपके साथ आकर दर्शन करूंगा। इस मेले को आदिवासियों का महाकुंभ कहा जाता है तो मैं भी अपनी आंखों से देखना चाहता हूं, मेले में क्या होता है और दर्शन करना चाहता हूं। कांग्रेस पार्टी का और आदिवासियों का बहुत पुराना रिश्ता है गहरा रिश्ता है। आपका जो इतिहास है उसकी हम रक्षा करते हैं हम जो आपकी हिस्ट्री है आपका इतिहास है उसको मिटाना दबाना नहीं चाहते है।

जब हमारी सरकार थी यूपीए की सरकार थी आपके लिए आदिवासियों के लिए आपकी जमीन जंगल, जल की रक्षा करने के लिए हम कानून लाए थे ऐतिहासिक कानून पेसा कानून जमीन अधिकरण बिल इन कानून के माध्यम से हमने जो आपका धन है जंगल में जो प्रोड्यूस है उसकी रक्षा की और इसका फायदा आदिवासियों को दिलवाया।

दो विचारधाराओं की लड़ाई है एक तरफ कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जो कहती है कि सबको जोड़ कर चलना है सबकी इज्जत करनी है सब का इतिहास सब की संस्कृति की रक्षा करनी है यह कांग्रेस पार्टी कहती है और दूसरी तरफ बीजेपी जो बांटने का काम करती है कुचलने दबाने का काम करती है और जो आदिवासियों का जो इतिहास संस्कृति है उसको दबाने और मिटाने के काम करती यह लड़ाई हिंदुस्तान में आज चल रही है हम जोड़ने का काम करते हैं वह बांटने का काम करते हैं। हम कमजोर लोगों की मदद करते हैं वह सबसे बड़े चुने हुए उद्योगपतियों की मदद करते हैं आज हिंदुस्तान में हिंदुस्तान की हालत आप सबको मालूम है हर युवा जानता है कि आज हिंदुस्तान में युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता है महंगाई आप सबको दिखती है। आप सबको दिखती है बढ़ती जा रही है मगर मुझे काफी खुशी है की राजस्थान की सरकार गरीबों के लिए आदिवासियों के लिए काम कर रही है यहां पर 132 करोड रुपए का पुल बनाया इससे आप सब को फायदा होगा पूरे देश में स्वास्थ्य के मामले में राजस्थान सब प्रदेशों से आगे हैं यहां पर 10 लाख रुपए तक फ्री में इलाज होता है आज किसी भी किसी भी प्रदेश में चले जाइए हिंदुस्तान के किसी भी प्रदेश में चले जाइए और वहां पहुंचे किसी भी प्रदेश में स्वास्थ के लिए इतना पैसा गरीबों को नहीं दिया जाता है आज गहलोत जी मुझे कह रहे थे इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले जा रहे हैं इंग्लिश मीडियम स्कूल से आदिवासियों को गरीबों को जबरदस्त फायदा होता है कहीं भी अंग्रेजी बोलने की बोलने के बाद कहीं भी वह नौकरी ले सकते हैं कहीं भी जा सकते हैं हिंदुस्तान में जा सकते हिंदुस्तान के बाहर भी रोजगार पा सकते हैं तो मैं अशोक गहलोत जी को हमारे मंत्रियों को सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि आप गरीब गरीब लोगों के लिए काम कर रहे हो शिक्षा के लिए स्वास्थ्य के लिए काम कर रहे हो इंफ्रास्ट्रक्चर का काम कर रहे हो मैंने देश की हालत आपको बताएं बीजेपी की सरकार ने हमारी जो और व्यवस्था है उस पर आक्रमण किया है प्रधानमंत्री जी ने नोटबंदी की गलत जीएसटी लागू की इससे हमारी दो अर्थव्यवस्था है नष्ट हो गई और जो पहले यूपीए ने काम किया और व्यवस्था को इकोनामी को मजबूत करने का काम किया नरेंद्र मोदी जी ने बीजेपी ने हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है और आज हालत यह है कि देश में युवा रोजगार नहीं पा सकता काले कानून लाए किसानों के खिलाफ तीन कानून लाए हिंदुस्तान के सबके साथ एक साथ खड़े हुए और उन कानूनों को वापस लेना पड़ा कानूनों का फायदा सिर्फ दो-तीन उद्योगपतियों को मिलता जो किसानों का है वो हमसे छीना जाता और दो तीन चुने हुए उद्योग पतियों को पूरा का पूरा फायदा मिलता बीजेपी को हिंदुस्तान बनाना चाहती है एक अमीरों का दो तीन बड़े उद्योगपतियों का और दूसरा गरीब जनता का आदिवासियों का दलितों का पिछड़ों का कमजोर हो। हम दो हिंदुस्तान नहीं चाहते, हम एक हिंदुस्तान चाहते हैं, एक हिंदुस्तान में हर एक व्यक्ति को अपना सपना पूरा करने का मौका मिलना चाहिए। भाइयों और बहनों यही लड़ाई है अशोक गहलोत जी राजस्थान की सरकार सबके लिए काम कर रहे हैं। दो-तीन उद्योगपतियों के लिए काम नहीं करते हैं। आम जनता के लिए काम करते हैं। शिक्षा का काम को करते हैं, स्वास्थ्य काम करते हैं, और लोगों को रोजगार देने का काम करते हैं। बाकी हिंदुस्तान में जहां भी बीजेपी की सरकार है वहां पर क्यों नहीं हुए व्यक्तियों के लिए काम होता है शिक्षा का स्वास्थ्य का काम नहीं होता है और जो अर्थव्यवस्था होती है रोजगार होता है वह किसी को युवाओं को नहीं मिलता है यह भाई और बहनों लड़ाई है और यह लड़ाई कांग्रेस पार्टी जीती जीतने वाली है जीतेगी एक बार फिर राजस्थान की सरकार तो आप सबको बधाई देना चाहता हूं इस पुल से आप सब का बहुत बहुत फायदा होगा मैं भी अपने आंखों से यहां आऊंगा जब पुल बनेगा तभी आऊंगा मगर शायद उससे पहले भी आप के मेले में आऊंगा आपके साथ में दर्शन करूंगा धन्यवाद जय हिंद।

आरएएस, आरजेएस व अन्य प्रशासनिक सेवाओं में युवाओं को अलग से आरक्षण की मांग

डूंगरपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सोमवार को बेणेश्वर में हुई आमसभा में पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा ने अपने उद्बोधन में टीएसपी क्षेत्र की लम्बे अरसे से चली आ रही मांग को पुन: दोहराते हुए कहा कि दक्षिण राजस्थान में जनजाति वर्ग की जनसंख्या के आधार पर 12 प्रतिशत आरक्षण में से 50 प्रतिशत आरक्षण ञस्क्कक्षेत्र को दिए जाने की बात कहीं। जिससे आरएएस, आरजेएस व अन्य प्रशासनिक सेवाओं में युवाओं को मौका मिल सके।भगोरा ने कहा कि यह मांग पिछले लंबे वर्षो से चली आ रही है जिसे पूरा करने पर यहां का वोटबैंक भी काग्रेस के पक्ष में होगा।

राहुल, गहलोत ने किए मंदिरों के दर्शन

शिलान्यास कार्यक्रम से पहले राहुल गांधी और अशोक गहलोत ने बेणेश्वर धाम परिसर में स्थित वाल्मीकि मंदिर, बेणेश्वर शिवालय, राधा कृष्ण मंदिर और ब्रह्मा मंदिर में दर्शन किए व बेणेश्वर पीठाधीश्वर गोस्वामी महंत अच्युतानंद महाराज से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने पूजा अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की।

बेणेश्वर धाम में राहुल गांधी और CM गहलोत ने 132 करोड़ के हाई लेवल पुल का शिलान्यास किया

डूंगरपुर। मुख्यमंत्री गहलोत ने वर्ष 2021-22 के बजट भाषण में बेणेश्वर धाम पुल के निर्माण की घोषणा की थी। करीब 132.35 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस हाईलेवल पुल के द्वारा श्रद्धालु डूंगरपुर-बांसवाड़ा सड़क से सीधे बेणेश्वर धाम पहुंच पाएंगे और वर्षभर आवागमन संभव हो पाएगा।सोमवार को आदिवासियों का 'प्रयाग' कहे जाने वाले बेणेश्वर धाम में 'हाई लेवल' पुल का शिलान्यास किया। शिलान्यास के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने प्रतिकृति के माध्यम से राहुल गांधी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पुल के बारे में बताया। एक सरकारी बयान के अनुसार साबला से बांसवाड़ा की तरफ इस पुल की लंबाई 1,345 मीटर व भटवाड़ा से बेणेश्वर की तरफ पुल की लंबाई 386.50 मीटर होगी। यह पुल नदी की सतह से 18.50 मीटर की उंचाई पर 36 पिलर पर बनेगा तथा इसकी चौड़ाई 16 मीटर होगी। बयान के मुताबिक पुल में सड़क के साथ क्रैशबैरियर, पैदलयात्रियों के लिए फुटपाथ तथा रैलिंग भी बनाए जाएंगे।

चिंतन शिविर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दे गया संजीवनी ?

उदयपुर में हुए कांग्रेस के चिंतन शिविर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिये संजीवनी का काम कर गया है। इस चिंतन शिविर से त्वरीत किसी को फायदा हुआ है तो वह है सीएम अशोक गहलोत। इस चिंतन शिविर के बाद राजस्थान में तमाम उन खबरों और राजनीतिक विश्लेषण को विराम लग जायेगा जिसमें राजस्थान में सीएम को बदलने की बात की जा रही थी। इस चिंतन शिविर से कांग्रेस को कितना फायदा होगा यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन सीएम गहलोत और उनकी टीम उत्साह से लबरेज है। इधर, चिंतन शिविर में भले ही सचिन पायलट को तवज्जो मिली हो लेकिन उन्हें इंतजार करना पड़ेगा। राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो यह चिंतन शिविर और बेणेश्वर धाम पर राहुल गांधी की सभा सीएम अशोक गहलोत का ही आइडिया था। चिंतन शिविर का मेनेजमेंट और बेणेश्वरधाम पर राहुल गांधी की सफल सभा कराकर राजस्थान में सीएम बदलने की अटकलों को विराम देने का काम कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो सीएम गहलोत राजनीति के माहिर खिलाड़ी है और वे जानते है कि आलाकमान को कैसे खुश करना है। सीएम बदलने को लेकर टीम सचिन पायलट दिल्ली में दबाव बनाए हुई थी। करौली और जोधपुर में हुई सांप्रदायिक घटनाओं से अशोक गहलोत परेशान भी थे। ऐसे में ये चिंतन शिविर अशोक गहलोत के लिये संजीवनी का काम कर गया है। इधर, चिंतन शिविर खत्म होने के साथ ही प्रदेश कांग्रेस एक्टिव हो गई है।

संगठन में 50 प्रतिशत युवाओं को भागीदारी देने के निर्देश दिये है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने राजस्थान में नवनियुक्त जिलाध्यक्षगणों को नव संकल्प शिविर में पारित प्रस्तावों की अनुपालना में प्रस्तावित जिला कार्यकारिणी में 50ब पद 50 वर्ष की आयु से कम उम्र के कांग्रेसजनों को एवं ओबीसी, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति/जनजाति व महिलाओं को न्याय संगत प्रतिनिधित्व देते हुए जिला कार्यकारिणी का गठन कर तीन दिवस में प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भिजवाने हेतु निर्देशित किया है।

घर की रजिस्ट्री करवाने के नाम पर 40 लाख हड़पे

आरोपियों ने दूसरे व्यक्ति को बेचा घर, नहीं लौटाए रुपए

सागवाड़ा। उधार में 40 लाख रुपए लेकर घर की रजिस्ट्री करवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने एक दंपती के खिलाफ सागवाड़ा थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया है। आरोपियों ने पीड़ित से दो बार में 40 लाख रुपए लेकर स्टांप पेपर पर लिखापढ़ी करवाई, लेकिन रजिस्ट्री नहीं करवाई और न ही रुपए वापस लौटाए। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि विकास पुत्र मनोहर जैन निवासी सलाटवाड़ा खोड़ियाल माता मंदिर सागवाड़ा ने केस दर्ज करवाया है। विकास ने बताया कि उसकी संध्या पत्नी विजय भाटिया से जान पहचान थी। संध्या ने पहले उससे उधार रुपए लिए थे। इस दौरान संध्या ने अपनी ननद नीता पत्नी महेशचंद्र भाटिया निवासी गढ़ी परतापुर (बांसवाड़ा) से भी उसकी पहचान करवाई। पिछले साल दिवाली से पहले नीता और उसके पति महेशचंद्र भाटिया उसके घर आए। दोनों ने परतापुर में गिरवी रखे घर को छुड़वाने के लिए 20 लाख रुपए उधार मांगे और रोशनी कॉलोनी सागवाड़ा में निर्माणाधीन घर बनने के बाद उस घर को बेचकर उधार रुपए चुकाने का भरोसा दिलाया और उधार रुपए के बदले 22 लाख रुपए देने की भी बात कही। विकास ने बताया कि उनकी बातों पर भरोसा कर उसने 20 लाख रुपए उधार दे दिए। इस दौरान महेशचंद्र भाटिया ने उसको 20 लाख रुपए का चेक दिया। 1 मार्च 2022 तक का समय पूरा होने पर उसने पैसे मांगे तो नीता और उसके पति ने रजिस्ट्री में दिक्कत बताई। उन्होंने रोशनी कॉलोनी सागवाड़ा का घर उसके नाम रजिस्ट्री करने करने की बात कही और 20 लाख रुपए और ले लिए। इसके बाद उन्होंने स्टांप पेपर पर लिखापढ़ी की।

नगर पालिका भवन विवाद में सांसद कटारा की एंट्री से भाजपा पार्षदों को मिलेगी ताकत

भाजपा पार्षद की ओर से शुरु किया गया है आंदोलन

सागवाड़ा। सागवाड़ा नगरपालिका के पुराने भवन को गिरकर नया भवन बनाने को लेकर भाजपा पार्षदों के विरोध में अब सांसद कनकमल कटारा की एंट्री हो गई है। नगर पालिका भवन आबादी संघर्ष समिति की ओर से चलाये जा रहे अभियान के दूसरे चरण में सोमवार को सांसद कनकमल कटारा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभु पंड्या, हरीश चंद्र पाटीदार, हेमंत दादा पाठक, पूर्व पालिका अध्यक्ष सत्यनारायण सोनी, जिला प्रमुख सूर्या अहारी, श्याम भट्ट, गलियाकोट प्रधान जयप्रकाश पारगी, प्रधान ईश्वरलाल सरपोटा, नेता प्रतिपक्ष हरिश्चन्द्र सोमपुरा, बदामीलाल जैन नरेंद्र गोवड़िया, नानालाल दर्जी, मंगलेश वाडेल, शैलेश पंड्या, प्रताप बलाई, नीरज पंचाल समेत बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने तोड़े गए भवन को देखा। शिलान्यास के महज 5 वर्ष में भवन को गिराने पर रोष जताया। वही अध्यक्ष के कक्ष में रुपया खर्च कर नवीनीकरण करायागया था उसे भी तोडा गया है। नगर पालिका में हुई तोड़फोड़ को देखने के दौरान सांसद कनकमल कटारा ने ईओ मुकेश कुमार मोहिल को मौके पर बुलाने को कहा जिस पर ईओ ने घर जाना बताया। सभी नारेबाजी करते हुए सागवाड़ा थाने तक पहुंचे और विरोध जताया।

हिन्दू मंदिरों, धार्मिक शोभायात्राओं और मां बहिनों की अस्मिता पर योजनापूर्वकहो रहे हमलें

विरोध में राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सागवाड़ा। विश्व हिंदू परिषद, बजरंगदल, मातृ शक्ति जिला सागवाड़ा की ओर से एक ज्ञापन उपखण्ड मुख्यालय पर सोमवार को उपखण्ड अधिकारी रामचन्द्र खटीक को राज्यपाल के नाम सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि आज सम्पूर्ण राजस्थान में पिछले कुछ महीनों से जेहादी मानसिकता के लोगों द्वारा हिन्दू मंदिरों, धार्मिक शोभायात्राओं और मां बहिनों की अस्मिता पर योजनापूर्वक हमलें हो रहे है। हाल ही में घटित घटनाओं की जांच सीआईडी से करवाई जाए। राजस्थान में जेहादी मानसिकता वाले तत्व बेख़ौफ़ ओर योजनापूर्वक हिंदू मंदिरों और धार्मिक यात्राओं पर पथराव व आक्रमण कर रहे है। जेहादी मानसिकता के युवकों के द्वारा हिन्दू मंदिरों में जाने वाली मां बहिनों के साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें लगातार बढ़ रही है। साथ ही हिन्दू त्योहारों पर योजनापूर्वक धारा 144 लगा कर उसका हवाला देकर धार्मिक कार्यक्रम करने की अनुमति नही दी जाती है। इस ज्ञापन के माध्यम से हम महामहिम से मांग करते है कि वे सरकार को निर्देश दे कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो और योजना पूर्वक की गई सभी घटनाओं की जांच सीआईडी करवाए। इस दौरान विहीप विभाग सह मंत्री नरेंद्र भगत, विहीप जिला उपाध्यक्ष प्रकाश व्यास, बजरंगदल जिला संयोजक पंकज पाटीदार, मातृशक्ति जिला संयोजिका कमलेश्वरी गुप्ता, बजरंगदल नगर संयोजक शिवांग पवार, कमलेश रावल, कल्पेश रावल, दीपक जोशी, बालकृष्ण पंडया, ईश्वर, महेंद्र देवड़ा, बजरंग दल गौ रक्षा प्रमुख हितेश राजभोई, गौ रक्षक भावेश भोई, रोहित भोई, विशाल भावसार, विशाल भोई, सन्नी दवे मौजूद थे।